

Chapter: 1 to 5

विभाग १ - गद्य

प्र. १ परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (गद्य) (8)

प्र. १ तुम्हारे लिए कौन-सा विशेष काम मैं लाऊँ, यह मुझे नहीं सूझता। तुम्हारा प्रेम और तुम्हारा (8)

चरित्र मुझे मोह में डुबो देता है। तुम्हारी परीक्षा करने में मैं असमर्थ हूँ। तुमने जो अपनी परीक्षा की है उसे मैं स्वीकार करता हूँ। तुम्हारे लिए पिता का पद ग्रहण करता हूँ। मेरे लोभ को तो तुमने लगभग पूरा ही किया है। मेरी मान्यता है कि सच्चा पिता अपने से विशेष चरित्रवान पुत्र पैदा करता है। सच्चा पुत्र वह है जो पिता ने जो कुछ किया है उसमें वृद्धि करें। पिता सत्यवादी, दृढ़, दयामय हो तो स्वयं अपने में ये गुण विशेषता से धारण करें। यह तुमने किया है, ऐसा दिखता है। तुमने यह मेरे प्रयत्नों से किया है, ऐसा मुझे नहीं मालूम होता। इस कारण तुमने मुझे जो पिता का पद दिया है उसे मैं तुम्हारे प्रेम की भेंट के रूप में स्वीकार करता हूँ। उस पद के योग्य बनने का प्रयत्न करूँगा और जब मैं हिरण्यकश्यप साबित होऊँ तो प्रह्लाद भक्त के समान मेरा सादर निरादर करना।

तुम्हारी यह बात सच्ची है कि तुमने बाहर रहकर आश्रम के नियमों का बहुत अच्छी तरह पालन किया है। तुम्हारे आश्रम में आने के बारे में मुझे शंका थी ही नहीं। तुम्हारे संदेश मामा (फड़के) ने मुझे पढ़कर सुनाए थे। ईश्वर तुम्हें दीर्घायु करें और तुम्हारा उपयोग हिंद की उन्नति के लिए हो, यही मेरी कामना है।

तुम्हारे आहार में किसी प्रकार का परिवर्तन करने का अभी तो मुझे कुछ नहीं लगता। दूध का त्याग अभी तो मत करना। इतना ही नहीं, आवश्यकता हो तो दूध की मात्रा बढ़ाओ।

1 A1) .. 2

ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।

- i. रेल
- ii. दिल्ली

A 2

2) ..

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो।

- (i) तुम्हारे आश्रम में आने के बारे में मुझे ..... थी ही नहीं।
- (ii) ईश्वर तुम्हें ..... करें।
- (iii) तुम्हारी परीक्षा करने में मैं ..... हूँ।
- (iv) प्रह्लाद भक्त के समान मेरा सादर ..... करना।

A 2

3) ..

प्रेरणार्थक क्रिया लिखो।

	प्रथम	द्वितीय
--	-------	---------

बढ़ना	.....	.....
देखना	.....	.....

A

2

4) ..

स्वमत।

'हिरण्यकश्यप और प्रहलाद" इस वाक्य पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

**विभाग १ - पद्य**

प्र. २ परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (पद्य)

(6)

प्र. २

(6)

गुन के गाहक सहस नर, बिन गुन लहै न कोय ।  
जैसे कागा-कोकिला, शब्द सुनै सब कोय ॥  
शब्द सुनै सब कोय, कोकिला सबै सुहावन ।  
दोऊ के एक रंग, काग सब भये अपावन ॥  
कह गिरिधर कविराय, सुनौ हो ठाकुर मन के ।  
बिन गुन लहै न कोय, सहस नर गाहक गुन के ॥

देखा सब संसार में, मतलब का व्यवहार ।  
जब लागि पैसा गाँठ में, तब लागि ताको यार ॥  
तब लागि ताको यार, यार सँग ही सँग डोलै ।  
पैसा रहा न पास, यार मुख से नहि, बोलै ॥  
कह गिरिधर कविराय, जगत का ये ही लेखा ।  
करत बेगरजी प्रीति, मित्र कोई बिरला देखा ॥



1 A1) ..

2

निम्न शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए।

(i) गुन

(ii) कोकिल

A2) ..

2

i. अंतर स्पष्ट कीजिए।

**कौआ और कोकिल में समानता तथा अंतर**

समानता	अंतर	कवि की दृष्टि से
.....	कर्कश स्वर	.....
कोकिल	.....	सुहावन

ii. निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय लगाकर नए शब्द लिखिए।

(i) व्यवहार - .....

(ii) शब्द - .....

A3) ..

2

भावार्थ लिखिए।

उपरोक्त पद्यांश के प्रथम कुंडली का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

गुन के गाहक ..... गाहक गुन के ॥

- प्र. ३ भाषा अध्यन (व्याकरण)
- प्र. ३ अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए (1)
- (१) वह थाने की तरफ मुड़ा और वहाँ से चला गया ।
- (२) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए (1)
- पियूष सोनू के निकट गुमसुम बैठा था ।
- (३) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए (1)
- हमने गीता क वर्ग चलाया । (अपूर्ण वर्तमान)
- विभाग ४ - उपयोजित लेखन
- प्र. ४. वृत्तांत लेखन कीजिए (3)
- निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर वैश्विक महिला दिवस समारोह पर वृत्तांत लिखिए
- i. स्थान ii. तिथि समय iii. प्रमुख अतिथि iv. समारोह v. अतिथि संदेश vi. समापन

